भारत में कोयला बजिली संयंत्रों की स्थति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्वटि्ज़रलैंड में उपस्थति ईटीएच ज़्यूरखि (ETH Zurich in Switzerland) के पर्यावरण इंजीनयिरगि संस्थान द्वारा कयिे गए वैश्वकि उत्सर्जन हॉटस्पॉट्स (Global Emission Hotspots) के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में कोयले से चलने वाले वजिली संयंत्रों (Coal-Fired Power Plants) पर दुनयिा भर में सबसे ज़्यादा टोल (Toll) लयिा जाता है जबकि बिजिली उत्पादन के क्षेत्र में सबसे बड़े दो देश चीन और अमेरिका हैं।

- शोधकर्त्ताओं ने बताया कि कोयला संयंत्र आधारति बजिली उत्पादन वैश्वकि स्तर पर ग्रीनहाउस गैस (GHG) और वषिैले गैस उत्सर्जन का एक प्रमुख कारण है।

कोयला जलाने के दुष्प्रभाव

- कोयला के जलने से कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) का उसर्जन होता है, जो ग्लोबल वार्मगि में योगदान देता है। साथ ही कोयले के जलने से पार्टकुिलेट मैटर (Particulate Matter), सल्फर डाइऑक्साइड (SO2), नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO) और पारा (Hg) का भी उत्सर्जन होता है, जसिका दुष्प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है।
- इस क्षेत्र में तत्काल कार्यवाही करने के लयिे शोधकर्त्ताओं ने दुनयिा के 7,861 बजिली संयंत्र इकाइयों में से प्रत्येक के लयिे कोयला संयंत्र आधारति बजिली के अवांछति दुष्प्रभावों की गणना की।
- नेचर सस्टेनेबलिटिी (Nature Sustainability) नामक पत्रकिा में प्रकाशति लेख दर्शाते हैं कि चीन और अमेरकिा कोयला ऊर्जा के दो सबसे बड़े उत्पादक देश हैं, लेकनि सबसे ज़्यादा भारत के बजिली संयंत्र स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं।
- ETH ज़्यूरखि के पर्यावरण इंजीनयिरगि संस्थान द्वारा कयिे गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि मध्य यूरोप, उत्तरी अमेरिका और चीन सभी में आधुनकि बजिली संयंत्र हैं, लेकनि पूर्वी यूरोप, रूस और भारत में अभी भी कई पुराने संयंत्र हैं जनिसे असुरक्षति रूप से बजिली का उत्पादन कयिा जा रहा है।
- फलस्वरूप पुराने बजिली संयंत्र प्रदूषकों के केवल कुछ अंश को हटाते हैं, क्योंकि यहाँ पर ज़्यादातर नम्नि गुणवत्ता वाले कोयले का उपयोग कयिा जाता है।
- शोधकर्त्ताओं द्वारा ऐसे बजिली संयंत्रों को जल्द-से-जल्द बंद करने तथा कोयला संयंत्र आधारति बजिली उत्पादन के नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने को इसे वैश्वकि प्राथमकिता में रखने की बात कही गई है।
- वर्तमान में बढ़ते औद्योगकिीकरण के दौर में वशिेष रूप से चीन और भारत में इन संयंत्रों के बंद करने की बजाय इनका उपयोग बढ़ने का खतरा है।
- कोयला बजिली संयंत्र के नरि्माण के लयिे प्रारंभकि नविेश लागत अधकि होती है, लेकनि बाद में परचिालन लागत कम होती है। वजिली संयंत्र संचालकों का अपने संयंत्रों को लंबे समय तक चलाने पर ही आर्थकि लाभ प्राप्त होता है।

स्रोत – द हदिू (बज़िनेस लाइन)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-coal-power-plants-unhealthiest-in-world